बहुत ही सहज है राजयोग...

कभी-कभी आप कम्पयूटर पर काम करते हैं तो उस समय आप अन्दर से कोई फोल्डर या फाईल पर काम करते हैं ना कि अलग से टाईप करते हैं। ठीक उसी प्रकार हमारे संस्कारों में बहुत सारे पुराने फोल्डर्स वा फाईल्स (पुरानी आदतें, यादें, भूतकाल की बातें, दुःख देने वाली बातें आदि-आदि) पड़े हुए हैं जो बीच-बीच में मन रूपी पर्दे पर आते रहते हैं। इसलिए आप कभी बहुत खुश होते हैं पुरानी बातें याद करके और कभी बहुत दुःखी होते हैं। जैसे कम्पयूटर में कोई फोल्डर को सर्च करने के लिए एक संकेत (क्ल्यू) का इस्तेमाल करते हैं। ठीक वैसे ही जब भी हम किसी भी व्यक्ति को देखते हैं जो बीस साल पहले मिला हो उसी समय उससे सम्बन्धित सभी पुरानी बातें याद आ जाती हैं।

गतांक से आगे...

अब आपको क्या करना है : बस आपको अब करना क्या है कि अपने को समझाना है वो भी तार्किक रूप से कि मैं दुःखी क्यूं हूँ। दुःख का मुख्य कारण मेरे अन्दर बैठे हुए मेरे लोग ही तो हैं जिनका चेहरा आते ही उनका पूरा इतिहास हमारे मन में उमड़ जाता है और हम दुःखी हो जाते हैं। बोला जाने वाला हर शब्द एक चित्र है, जिसके अन्दर एक ऊर्जा है। जैसे आपने कहा महाराणा प्रताप, यह शब्द कहते ही महाराणा प्रताप की सारी खूबियाँ एक सेकेण्ड में आपके मन में ऊर्जा के रूप में प्रवाहित हो गई और आप ऊर्जान्वित महसूस करने लग पड़ते हैं। उसी प्रकार आप हिटलर नाम लें, मदर टेरेसा कहें तो उसी प्रकार की ऊर्जा प्रवाहित होगी ना। तो क्यों ना हम अपने मन में या मन के पर्दे पर आत्मा के सातो गुणों को लायें, वो भी चित्रों के रूप में। सातो गुणों में सात रंग ऐसे ही भरे पड़े हैं। जब हम उन रंगों को मन रूपी पर्दे पर देखेंगे तो हमारे अन्दर वैसे ही शांति, प्रेम, पवित्रता आदि गुण स्वतः आने लग जायेंगे। बस

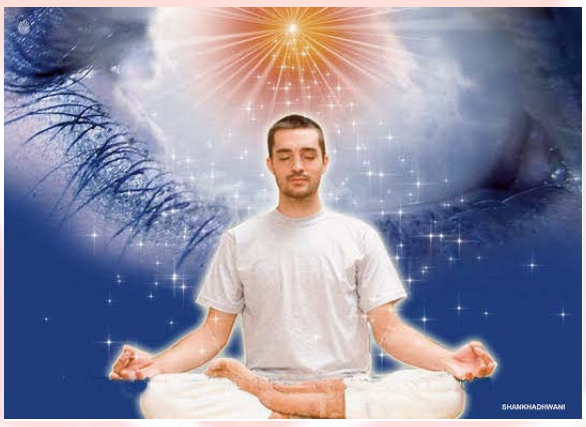

आपको यही करना है। इनमें व्यर्थ या असामाजिक या नकारात्मक व्यक्ति, वस्तु-वैभव का चिन्तन ना करके इन गुणों का चिन्तन करना है, जिससे आप गुणवान बनें। इसलिए लोग कहते हैं कि जो आप देखते हैं वही आप सोचते हैं और वैसा ही बन जाते हैं।

आत्मा के अंदर चार प्रकार के संस्कार होते हैं: प्रथम : माता-पिता से मिले संस्कार-जब माँ गर्भ धारण करती है तो उस समय उसके अन्दर जो कुछ भी विचार, संकल्प या भावनाएं होती हैं उन्हीं विचारों या भावनाओं से भ्रूण का विकास होता है। माता-पिता के जेनेटिक कोड बच्चे के अन्दर ट्रान्सफर हो जाते हैं। इसका उदाहरण शास्त्रगत भी है, जिसमें मान्यता है कि अभिमन्यु ने व्युह रचना गर्भ के अंदर ही सुन ली थी। आधुनिक रूप से हम कहें तो कह सकते हैं कि हम जो सोचते हैं उसका प्रभाव बच्चे पर पड़ता है। यदि माँ डरती है, डरावनी फिल्में देखती है तो बच्चा भी पैदा होने के बाद डरता है। इसलिए गर्भ धारण करने के बाद पारिवारिक माहौल का असर बहुत पड़ता है। -क्रमशः

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-15

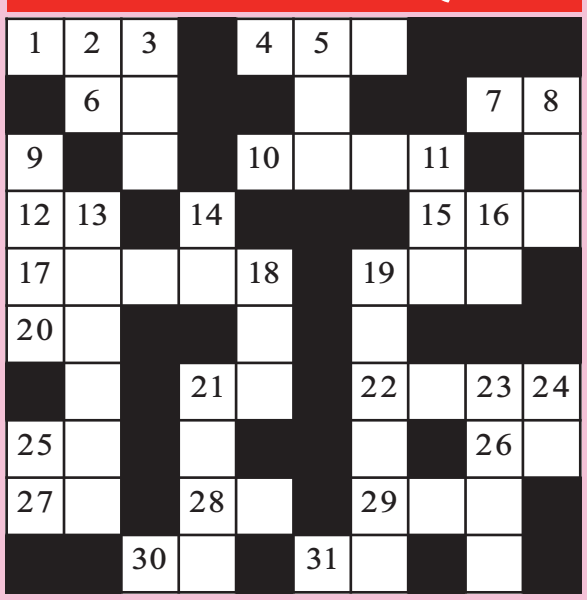

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

2. थाप देकर बजाने वाला वाद्य यन्त्र (2)
3. सारे मनुष्य मात्र माया....की जेल में हैं (3)
5. गीत गाने वाला (3)
8. चमक, क्षणिक दर्शन, प्रभा (3)
9. .... के बाद जयजयकार होगी (4)
11. .... मोरा मिलन में तेरे बाबा बाबा बोले (3)
13. घूमना-फिरना, विचरण करना (3-3)
14. पिसान, चूर्ण जिससे रोटी बनती है (2)
16. धूल का कण, गर्द (2)
18. मुग्ध होना, प्रसन्न होना (3)
19. जनसंख्या, स्वर्ग की....भी बहुत थोड़ी होती है (6)
21. पशु, सतयुग में....भी फर्स्टक्लास होते हैं (4)
23. चिन्ता, तुम बच्चों को दिन रात यही.... रहनी चाहिए कि कैसे बाप को प्रत्यक्ष करें (4)
24. अधर, होठ (2)
25. हमेशा, ...एक बाप की याद में मस्त रहो (2)

बायें से दायें

1. डुग्गी, सारी दुनिया में....बजा दो कि मेरा बाबा आ गया (3)
4. संदेश, पतित से पावन बनने का....सबको देना है(3)
6. प्यार, तुम्हारा एक बाप से ही....होना चाहिए (2)
7. शाम, संध्याकाल, सायं (2)
10. बाबा की याद में....चटक जाना चाहिए, पूर्णतः (4)
12. निरंतर बाप की याद में रहो तो कभी माया से....नहीं होगी (2)
15. काम विकार....का द्वार है, नर्क, दोज़क (3)
17. ....चलाना भी हिंसा है महापाप है (2-3)
19. ....की दुनिया से चले दूर चलें (3)
20. युद्ध, संग्राम, लड़ाई (2)
21. प्रस्थान करना, गमन (2)
22. ....में जल उठी शमा परवाने के लिए (4)
25. लेलो लेलो दुआयें माँ बाप की....से उतरेगी गठरी पाप की (2)
26. किस समय, कभी (2)
27. अपना जो भी कणा....है उसे बाबा के यज्ञ में स्वाहा करना है (2)
28. श्रेणी, अलग-अलग समूह (2)
29. हाल, घटना, घटना का विवरण (3)
30. रावण का भाई जिसने पंचवटी में राम युद्ध किया था (2)
31. पढ़े लिखे के आगे अनपढ़े....ढ़ोयेंगे (2)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन

सोनीपत-हरियाणा। गीता जयंती समारोह के दौरान हरियाणा के राज्यपाल कँवर पाल गुर्जर व प्रदेश प्रभारी ललित बत्रा द्वारा सम्मान प्राप्त करते हुए ब्र.कु. प्रमोद बहन ।

रेवाड़ी-हरियाणा। रेवाड़ी सेक्टर 4 में नवनिर्मित सेवाकेन्द्र का उद्घाटन करने के पश्चात् सम्बोधित करते हुए दादी रुक्मणि। साथ हैं ब्र.कु. आशा, सहकारी मंत्री विक्रम सिंह, ब्र.कु. बृजेश, ब्र.कु. कमलेश व अन्य।

दिल्ली-जैतपुर। ज्ञानचर्चा के पश्चात् आम आदमी पार्टी के विधायक नारायण दत्त को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उषा।

हथीन-हरियाणा। 'स्वच्छता अभियान' को झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. सुदेश व अन्य भाई बहनें।

अलीगढ़-उ.प्र.। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में 'नेशनल सेमिनार ऑन योग एंड स्पीरिच्युअलिटी' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर लेफ्टीनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. कमलेश। साथ हैं ब्र.कु. हेमा व ब्र.कु. शिवा।

रेवाड़ी-हरियाणा। विधायक रणधीर सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कमलेश एवं ब्र.कु. रेनु।